**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1131**

**20.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**एच-1बी वीजा नीति में परिवर्तन के संबंध में अमरीका के साथ बातचीत**

**1131. कुमारी शैलजा:**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्‍या सरकार ने अमरीका के एच-1बी वीजा नीति में किसी परिवर्तन के बारे में अमरीका के साथ बातचीत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अमरीका में कार्य कर रहे भारतीय पेशेवरों जो ठीक अभी इस नीति में किए जाने वाले किसी परिवर्तन से प्रभावित होंगे, का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या उस नीति के परिवर्तित होने की स्थिति में सरकार ने अमरीका में कार्य कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए कुछ रक्षोपाय अथवा उपाय करने की योजना बनाई है?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[जनरल (डा.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त)]**

**(क) से (ग)** भारत सरकार ने भारतीय पेशेवरों की आवाजाही से संबंधित सभी मुद्दों, जिनमें एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम से संबंधित मुद्दे भी शामिल हैं, के बारे में सभी हितधारकों और अमरीकी प्रशासन तथा काँग्रेस के साथ गहन परामर्श किया है तथा बातचीत की है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने 14 नवंबर, 2018 को सिंगापुर में अमरीकी उपराष्ट्रपति, माइकल आर पेंस के साथ अपनी बैठक के दौरान अमरीका में भारतीय नागरिकों द्वारा किए गए योगदान का उल्लेख किया जिसे एच-1बी वीज़ा संबंधी मुद्दों पर विचार करते समय नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले विदेश मंत्री ने इस मामले को अमरीकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, माइकल पॉम्पियो के साथ 6 सितंबर, 2018 को नई दिल्ली में उठाया था और उन्हें एक गैर-पक्षपातपूर्ण तथा भविष्यवाची एच-1बी वीज़ा व्यवस्था संबंधी हमारी उम्मीदों के बारे में बताया था।

 अमरीकी प्रशासन ने एच-1बी वीज़ा आवेदन प्रक्रिया में कुछ प्रशासनिक उपाय किए हैं जिससे आवेदनों की अधिक से अधिक जाँच होती है तथा अपेक्षित दस्तावेज़ो की संख्या भी बढ़ गई है। अभी तक एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम में कोई व्यापक फेरबदल नहीं किया गया है। भारत सरकार उन घटनाक्रमों पर गहन नजर बनाए रखती है जिनका अमरीका में रहने वाले भारतीय नागरिकों पर असर पड़े और उनके हितों तथा कल्याण की रक्षा करने के लिए हरसंभव उपाय करेगी।

\*\*\*\*\*